

Rajasthan Patrika

03 May, 2017

Page No. 23 (PP)

देशभर की स्टेट टेक्निकल यूनिवर्सिटीज में अब एक समान करिकुलम

इंजीनियरिंग में अब सेकंड ईयर से ही होगी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग

Patrika Plus
Exclusive

1 जुलाई से

लागू होगा

नया

करिकुलम,

आईआईटीज

के प्रोफेसर्स से

एआईसीटीई

ने तैयार

कराया बीटेक

का सिलेबस

पुष्पेन्द्र शर्मा

जयपुर • देशभर की स्टेट टेक्निकल यूनिवर्सिटीज में अब एक समान करिकुलम होगा। अभी तक यूनिवर्सिटीज अपना-अपना करिकुलम अलग-अलग तय करती रही हैं, लेकिन एक जुलाई से उन्हें ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) द्वारा दिया गया करिकुलम लागू करना होगा। खास यह है कि काउंसिल ने नया करिकुलम आईआईटीज के प्रोफेसर्स से तैयार कराया है। लगभग 15 प्रोफेसर्स की कमेटी इंजीनियरिंग का आउटडेटेड करिकुलम रिवाइज करने की कवायद कर रही है।

काउंसिल के अधिकारियों के अनुसार, नया करिकुलम सबसे पहले बीटेक फर्स्ट ईयर के लिए लागू किया जाएगा। इसके बाद सेकंड, थर्ड और फोर्थ ईयर का सिलेबस रिवाइज होगा। काउंसिल का लक्ष्य इंजीनियरिंग एजुकेशन को 'आउटकम बेस्ड



नया करिकुलम 1 जुलाई से सभी टेक्निकल यूनिवर्सिटीज को लागू करना जरूरी होगा। करिकुलम में स्टूडेंट्स को पहले से ज्यादा इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलेगा, साथ ही अब उनकी एजुकेशन का बेहतर आउटकम निकलकर सामने आएगा।

प्रो. एम.पी. पूनिया,
वाइस चैंसरमैन, एआईसीटीई

एजुकेशन' बनाना है। एआईसीटीई का कहना है कि इससे स्टूडेंट्स को उनकी पढ़ाई के बाद उनके कैरियर की सही दिशा तय करने में मदद मिलेगी। नए सिलेबस में हर सब्जेक्ट के ऑब्जेक्टिव तय किए जा रहे हैं। फिलहाल नया करिकुलम प्राइवेट और डीमड यूनिवर्सिटीज में लागू नहीं होगा। एआईसीटीई के वाइस चैंसरमैन प्रो. एम.पी. पूनिया के अनुसार, पहला ड्राफ्ट आते ही सभी स्टेट यूनिवर्सिटीज को नए करिकुलम की जानकारी भेज दी जाएगी।

सेकंड ईयर से ही दो महीने की ट्रेनिंग अनिवार्य

नए करिकुलम की खास बात यह है कि स्टूडेंट्स को सेकंड ईयर से ही इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलेगा। काउंसिल ने सेकंड ईयर से ही इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग करना अनिवार्य किया है। स्टूडेंट्स को दो महीने की ट्रेनिंग करना अनिवार्य होगा। ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए मिनिस्ट्री ऑफ माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम (एमएसएमई) के साथ एमओयू किया जा रहा है। इसके साथ ही कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन

इंडस्ट्रीज (सीआईआई) को भी पार्टनर बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अभी तक फोर्थ ईयर के लास्ट सेमेस्टर में ट्रेनिंग करवाई जाती है।

माइनर चेंज कर सकेंगी यूनिवर्सिटीज

यूनिवर्सिटीज को यह छूट भी दी गई है कि वे चाहे तो इसमें माइनर चेंज कर सकेंगी। यूनिवर्सिटीज 20 प्रतिशत कोर्स 'स्वयं' पोर्टल से ले सकेंगी। नए कोर्स में वीडियो लेक्चर को शामिल किया गया है। स्टूडेंट्स कोर्स के साथ ही एक्स्ट्रा कंटेंट के तौर पर इनकी मदद ले सकेंगे। यूनिवर्सिटीज लेवल पर इंडस्ट्री के साथ कर्मियों भी बनाई जाएंगी। वे अपने अनुसार कुछ बदलाव कर सकेंगी। फैसले के बाद राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) को अपना सिलेबस एआईसीटीई के दिए करिकुलम के अनुसार चेंज करना होगा। काउंसिल का मानना है कि इससे इंडस्ट्री की आउटडेटेड करिकुलम की शिकायत दूर होगी। साथ ही इंडस्ट्री के लोग यूनिवर्सिटीज की कमेटी में रहने से समय-समय पर वे अपने अनुसार कुछ बदलाव कर पाएंगे।